

## What is Arya Samaj?

**Arya Samaj is an institution founded by Maharishi Dayanand Saraswati based on the universal teachings of the Vedas. It is an organisation propagating universal message of the Vedas for the benefit of the entire humanity.**

# ARYAN VOICE

YEAR 37

14/2015-16

MONTHLY

August 2015

- **Independence Day of India Celebrations - Sunday 16<sup>th</sup> August 2015. (see page 21 for detailed information)**
- **Ved Katha - Saturday 29<sup>th</sup> August 2015 to Sunday 5<sup>th</sup> September 2015 (see page 21 for detailed information)**
- **Gayatri Maha Yajna - Sunday 6<sup>th</sup> September 2015 (see page 21 for detailed information)**
- **Vedic Vivah Mela (Matrimonial get together) Saturday 19<sup>th</sup> September 2015. Register NOW for a place! (See pages 19 & 20 for detailed information)**

**ARYA SAMAJ (Vedic Mission) WEST MIDLANDS  
(Charity Registration No. 1156785)**

**188 INKERMAN STREET (OFF ERSKINE STREET), NECHELLS, BIRMINGHAM B7 4SA  
TEL: 0121 359 7727 E-mail- enquiries@arya-samaj.org Website: www.arya-samaj.org**

## CONTENTS

<b>10 Principles of Arya Samaj</b>	<b>3</b>
<b>Relationship between Student and Teacher</b> by Krishan Chopra	<b>4</b>
<b>११ वाँ -वेदारम्भ सँस्कार</b>	<b>आचार्य डॉ. उमेश यादव 6</b>
<b>अध्यात्म के शिखर पर-२२</b>	<b>आचार्य डॉ. उमेश यादव 10</b>
<b>D.A.V. (Dayanand Anglo Vedic) Primary Free School in Birmingham</b>	<b>15</b>
<b>Update on DAV Primary Free School</b>	<b>17</b>
<b>Notices for Vedic Vivah Service (matrimonial)</b>	<b>18</b>
<b>Vedic Vivah Mela (Matrimonial Get-together) 2015</b>	<b>19</b>
<b>Dates for your diary</b>	<b>21</b>
<b>News (पारिवारिक समाचार)</b>	<b>22</b>
<b>Important</b>	<b>24</b>

**For General and Matrimonial Enquiries  
Please Ring  
Miss Raji (Rajashree) Chauhan (Office Manager)  
Monday to Friday between: - 2pm to 6pm,  
Except Wednesday: - 10.30am to 1.00pm.  
Bank Holidays – Closed - Tel. 0121 359 7727  
E-mail- enquiries@arya-samaj.org**

## **10 Principles of Arya Samaj**

- 1. God is the primary source of all true knowledge and all that is known by its means.**
- 2. God is existent, formless and unchangeable. He is incomparable, omniscient, unborn, endless, just, pure, merciful, beginningless, omnipotent, the support and master of all, omnipresent, unageing, immortal, fearless, eternal, and holy, and the creator of the universe. To him alone is worship due.**
- 3. Vedas are the scripture of all true knowledge. It is the paramount duty of all Aryas to read them, teach and recite them to others and hear them being read.**
- 4. All persons should always be ready to accept the truth and to give up untruth.**
- 5. All our actions should be according to the principles of Dharma, i.e. after differentiating right from wrong.**
- 6. The primary aim of the Arya Samaj is to do good to the whole World i.e. to its physical, spiritual and social welfare.**
- 7. All ought to be treated with love, justice, and according to their merits as dictated by Dharma.**
- 8. We should all promote knowledge (vidya) and dispel ignorance (avidya).**
- 9. One should not be content with one's own welfare alone, but Should look for one's welfare in the welfare of all.**
- 10. In matters which affect the well-being of all people the individual should subordinate any personal rights that are in conflict with the wishes of the majority; in matters that affect him alone he is free to exercise his human rights**

# Relationship between Student and Teacher

By Krishan Chopra

आचार्य उपनयमानो ब्रह्मचारिणं कृणुते गर्भमन्तः । तं रात्रीस्तिस्र उदरे बिभर्ति तं  
जातं द्रष्टुमभिसंयन्ति देवाः ॥ अथर्ववेद ११.५.३

Aachaarya upnayamaano brahmchaarinam krinute  
garbhamantah I tam raatrististastra udare bibharti tam jaatam  
drashtumabhi sanyanti devaah II

Athrva Veda 11.5.3

## Meaning in Text Order

Aacharyah = the teacher, upnayamanah = brings near,  
brahmchaarinam = student, krinute = makes, garbha = embryo,  
antah = his hermitage, tam = to that student, ratri = nights,  
tisrah = three, udare = in his tummy, bibharti = bears, tam = to  
that student, jaatam = famous, drashtum = to see, abhisanyanti  
= come collectively, devaah = enlightened people.

## Meaning

The preceptor (**acharya**), after performing the ceremony of the sacred thread, brings the student near to him and keeps the student (**brahmchari**) in his hermitage as the mother keeps the foetus in her tummy and develops his physical, mental and spiritual potential. When he graduates (becomes **snatak**), the learned come eagerly to see that graduate.

## Contemplation

This mantra illustrates the fundamental principle of the relationship between student and teacher. The main focus of the mantra is on its metaphor which describes the theme of the mantra. It is the duty of a teacher to keep the student under his watchful care as a mother looks after the foetus in her tummy for the comprehensive development of the child.

The Sanskrit language has its own charm. Every word has its own character. In this mantra there are two words which need explanation. The first word is **brahmachari**, the description of this word is that the student who is eager to know Brahma (God)

The second word is **acharya**. Rishi Yaaska has explained this word **acharya is he who teaches moral values, explains the subject in depth and expands the horizon of intellect** of the student.

This mantra gives us five messages-

1. By performing the ceremony of **upnayan, the acharya, brings the student very close to him and provides him the right to education. Yajnopaveet is a universal symbol of education.**
2. The teacher takes the role of a mother and keeps the child under supervision as the mother looks after the foetus in her pregnancy.
3. It is the duty of the teacher to nurture the child in all aspects.
4. It is the teacher who gives the child a second birth.
5. It is the duty of a teacher to make the child great in knowledge and character so wise men come to see **him**.

## ११ वाँ -वेदारम्भ संस्कार

आचार्य डॉ. उमेश यादव

उपनयन के बाद बच्चे को द्विज बनाने का वेदारम्भ संस्कार दूसरा नियम है । इसमें गायत्री मंत्र का अर्थपूर्वक चिन्तन, सम्पूर्ण वेद-पाठन करने का व्रत और ब्रह्मचर्यपूर्वक सत्य विद्या ग्रहण करने का व्रत धारण करना ही वेदारम्भ संस्कार है । वेदारम्भ और उपनयन दोनों संस्कार एक ही दिन किया जाता है लेकिन किसी कारण से उसी दिन न हो सका या मन न हो तो दूसरे दिन या एक वर्ष के अन्दर किसी अनुकूल समय में किसी दिन भी यह संस्कार किया जा सकता है ।

गायत्री मंत्र का प्रासंगिक अर्थ महर्षि दयानन्द ने वेदारम्भ संस्कार के अन्तर्गत ऐसा लिखा जो अत्यन्त प्रभावोत्पादक है- “( ओ३म् ) यह मुख्य परमेश्वर का नाम है, जिस नाम के साथ अन्य सब नाम लग जाते हैं । ( भूः) जो प्राण का भी प्राण, (भुवः) सब दुःखों से छड़ानेहारा , (स्वः) स्वयं सुखस्वरूप और अपनी उपासकों को सब सुख की प्राप्ति कराने हारा है, उस (सवितुः) सब जगत् की उत्पत्ति करने वाले , सूर्यादि प्रकाशकों के भी प्रकाशक, समग्र ऐश्वर्य के दाता, (देवस्य) कामना करने योग्य, सर्वत्र विजय कराने हारे परमात्मा का जो ( वरेण्यम्) अति श्रेष्ठ ग्रहण और ध्यान करने योग्य ( भर्गः ) सब क्लेशों को भष्म करने हारा , पवित्र शुद्धस्वरूप है । ( तत् ) उसको हम लोग ( धीमहि ) धारण करें । ( यः ) जो परमात्मा ( नः ) हमारी ( धियः ) बुद्धियों को उत्तम गुण-कर्म-स्वभावों में ( प्रचोदयात्) प्रेरणा करे । इसी प्रयोजन के लिये इस जगदीश्वर की स्तुति-प्रार्थनोपासना करना । और इससे भिन्न किसी को उपास्य ईष्ट देव उसके तुल्य वा

उससे अधिक नहीं मानना चाहिये । ”

इसे आधुनिक ढँग से विचार करें तो वेदादि शास्त्रों का अध्ययन एक ऊँची शिक्षा है । आज जो बच्चे ऊँची शिक्षा हेतु महाविद्यालय और विश्वविद्यालय में जाते हैं उन सबका वेदारम्भ होना चाहिये ।

आचार्य द्वारा गायत्री मंत्र का विशद् उपदेश और आश्रम-निवास के नियमों का मार्ग-दर्शन कराना ही वेदारम्भ सँस्कार का मुख्य उद्देश्य है । यहीं पर ब्रह्मचारी /ब्रह्मचारिणी को योग्य आचार्य/आचार्या द्वारा मुख्यरूप से सम्पूर्ण आचार-संहिता का उपदेश भी दिया जाता है कि वे बच्चे अपने अध्ययन-काल में पूर्ण ब्रह्मचर्य का पालन करें । यह उपदेश निश्चित ही बच्चों को ब्रह्मचर्य के पालन और विद्याध्ययन में यथोचित रूप से लाभप्रद होता है ।

महर्षि दयानन्द ने यहाँ विद्यार्थियों को प्रमुखतः निम्न पाँच विन्दुओं पर ध्यानाकर्षित करने का उपदेश दिया ।

१. नियत समय पर जागना- रात्रि के अंतिम प्रहर में जागना और नियत क्रिया-विधि ( शौच, दन्त-धावन, स्नान आदि ) से निवृत्त होकर नित्यप्रति संधयोपासना, ईश्वर-स्तुति-प्रार्थनोपासना और योगाभ्यास करना ।

२. अनावश्यक उपस्थेन्द्रिय को न छूना, ब्रह्मचर्य का पालन करते हुये योगाभ्यास द्वारा ऊर्ध्व रेटा बनने का प्रयास करते रहना इत्यादि प्रक्रियाओं का अभ्यास से अधिकाधिक वीर्यरक्षा होती है जो अत्यन्त महत्त्वपूर्ण है ।

३. तेलादि से शरीर का मालिश करना उचित है । खाने-पीने का संयम बहुत आवश्यक है । अति खट्टा, तीखा, कसैला, क्षार ( लवण आदि ) तथा रेचक ( जमाल घोटा आदि ) द्रव्यों का सेवन नहीं करना चाहिये ।

४. नित्य ही शुद्ध आहार-विहार का सेवन करते हुये सतत् विद्योपार्जन में जुड़े रहना ही विद्यार्थी का धर्म है ।

५. सभ्य (सभा में बैठने योग्य होना), सुशील ( सच्चरित्र बनना ) और मित भाषी ( यथायोग्य आवश्यकतानुसार बोलना ) होना विद्यार्थी का मुख्य लक्षण है । उन्हें ऐसा ही बनने का प्रयास करना चाहिये । ध्यातव्य नोट- ये सारे नियम आज के विद्यार्थी भी करें तो उन्हें विद्यार्जन और चरित्र के निर्माण में अधिक से अधिक लाभ होगा ।

विद्याध्ययन का काल- वैसे तो विद्याध्ययन का कोई काल सीमित नहीं है तथापि आश्रम-व्यवस्था में यह निर्धारित है कि विद्याध्ययन का न्यूनतम समय २५ वर्ष तक और अधिकतम समय ४८ वर्ष तक शास्त्रीय नियम है । इस क्रम में यह बताना उचित होगा कि २५ वर्ष का विद्याध्ययी ब्रह्मचारी रुद्र, ३६ वर्ष तक वसु और ४८ वर्ष तक का आदित्य कहलाता है । जो जितना अधिक ब्रह्मचर्य का पालन कर विद्याध्ययन करेगा वह उतना ही अधिक बलवान, विद्वान् और दीर्घायु होगा । मनुष्य सामान्यतः १०० वर्ष या इसके आगे-पीछे की आयु पाता है लेकिन ब्रह्मचर्य पालन से

अधिकाधिक आयु संभव है । “जीवेम शरदः शतं, भूयश्च शरदः शतात्” मंत्र में पढ़ा गया है अर्थात् सौ वर्ष और इससे भी आगे तक जीने की प्रार्थना



की गयी है । यजुर्वेद में १५०, २००. ३०० वर्ष तक भी जीने की प्रार्थना है ।  
“त्र्यायुषं जमदग्नेः कश्यपस्य त्र्यायुषम् । यद्वेषु त्र्यायुषं तन्नोऽस्तु  
त्र्यायुषम् ”॥ यह यजुर्वेद का प्रसिद्ध मंत्र है । इसमें परमेश्वर से ३०० वर्ष  
तक जीने की प्रार्थना की गयी है । महाभारत काल में भी भीष्म, कृष्ण,  
अर्जुन आदि की आयु सौ वर्ष से अधिक ही बतायी गयी है । उपनिषद्  
काल के ऋषियों की उम्र भी ऐसी ही लम्बी बतायी गयी है । यह सब  
जीवन शैली पर निर्भर है ।

अतः शुद्ध आहार-विहार और ब्रह्मचर्यपूर्वक जीने की अत्यन्त महत्ता है ।

आशीर्वाद- यहाँ महर्षि दयानन्द ने आशीर्वाद हेतु अत्यन्त मार्मिक वाक्य  
लिखा । एक विद्याध्यायी ब्रह्मचारी की उपलब्धि मानो इसी आशीर्वादीय  
वाक्य में पूरी तरह गिना दी है -“ हे वालक, त्वमीश्वरकृपया विद्वान्  
शरीरात्मबलयुक्त कुशली वीर्यवान् अरोगः सर्वाविद्या अधीत्याऽस्मान्  
दिदिक्षुः सन्नागम्याः” अर्थात् हे वालक, ईश्वर की कृपा से तुम विद्वान्,  
शरीर व आत्मा से बलवान् , कुशल, वीर्यवान् और निरोग बनो । सारी  
विद्याओं को पढ़कर हमें देखने की ईच्छापूर्वक आगे समावर्त्तन-विवाह हेतु  
वापिस आना । ऐसा है महर्षि दयानन्द के सपनों का वालक । युवा-  
युवतिओं में जब ये गुण आयेंगे तभी देश महान बन पायेगा और मानव-  
सँस्कृति भी सदैव जागृत रहेगी ।

## अध्यात्म के शिखर पर-२२

आचार्य डॉ. उमेश यादव

वेद-ज्ञान-विषय:

परमात्मा ने वेद को चार ऋषियों के माध्यम से संस्कृत भाषा में ही प्रकट किया। संस्कृत ही सृष्टि की आदि भाषा है। यही भाषा अन्य सभी विश्व की भाषाओं का कारण माना जाता है। अगर परमात्मा वेद को किसी अन्य भाषा में प्रकट करता तो वह निश्चित ही वहाँ का पक्षपाती होता जहाँ की वह भाषा होती। अतः पृथिवि आदि सृष्टि सब देशवासियों के लिये एक सी है; वैसे ही ईश्वरीय वेद ज्ञान व उसकी भाषा भी सबके लिये एक जैसी है। संस्कृत भाषा का आजकल प्रचार कम अवश्य है क्योंकि अब अलग-अलग देशों के लोगों की भाषा भी अलग होकर विकसित हुई हैं। संस्कृत सीखने में सबको समान परिश्रम करना पड़ेगा, इस कारण परमात्मा पक्षपाती नहीं है। उसने सबके समान कल्याणार्थ वेद ज्ञान प्रकाशित किया है।

निम्न कारणों से वेद ईश्वरीय ज्ञान सिद्ध है \_

१. जैसा ईश्वर पवित्र, शुद्ध, सर्वविद्यायुक्त, न्यायकारी, अजन्मा, अनन्त, सर्वव्यापक, अजर, अमर, अभय व सृष्टिकर्त्ता है वैसे ही गुण-कर्म-स्वभाव वाला ईश्वर वेदों में वर्णित है। स्वयं के बारे में स्वयं से अच्छा कौन बता सकता है ?

२. प्रत्यक्ष आदि प्रमाण , आप्त पुरुषों व महात्माओं के कथन और विज्ञान के विरुद्ध जिसमें कथन नहीं है; वही ईश्वरकृत है ।

३. ईश्वर का विनम्र ज्ञान यथावत् जिस पुस्तक में वर्णित है वही ईश्वरोक्त सिद्ध है ।

४. परमेश्वर और उसकी सृष्टि आदि क्रम यथावत् जिस पुस्तक में लिखा है वही वेद ज्ञान ईश्वरोक्त है ।

५. वेद प्रत्यक्षादि प्रमाणों के अनुकूल है । शुद्धात्मा आप्त पुरुषों के कथनानुसार जो पुस्तक है, वही ईश्वरोक्त मान्य है ।

इस तरह वेद के समान बाइबल, कुरान आदि अन्य पुस्तकें नहीं हैं क्योंकि ये पुस्तकें मनुष्यकृत हैं । इसका विस्तार कथन सत्यार्थप्रकाश के १३वें और १४वें समुल्लास में बाइबल, कुरान आदि के प्रकरण में प्रस्तुत है । विशेष ज्ञान हेतु वहाँ देखा जा सकता है ।

वेद कोई साधारण ज्ञान नहीं है । यह ईश्वरीय ज्ञान होने से सबसे भिन्न है । इसमें मानवीय गुण-कर्म-स्वभावों का वर्णन तो है पर मनुष्यादि का कोई इतिहास नहीं है । मनुष्यकृत ज्ञान में इतिहास की गुंजायस है पर ईश्वरीय ज्ञान में कदापि नहीं । हाँ वेद में सृष्टि-उत्पत्ति का ज्ञान है क्योंकि यह कार्य ईश्वर का है अतः इस विषय को अपने दिये गये वेद ज्ञान में स्वयं परमेश्वर ने विस्तार से वर्णित किया है । एक और बात विशेष जानें । वेद में जो मंत्र प्रयुक्त हैं; उनका संगठन छन्द, मात्रा आदि सब लौकिक

संस्कृत ग्रन्थों से भिन्न है । यही कारण है कि आज तक अरबों वर्ष पुराना होते हुये भी वेदों में कोई परिवर्तन नहीं आया, न हि कोई इसमें बाहर से जोड़/मिलावट ही । मनुष्यकृत प्रायः सभी ग्रन्थों में मिलावट/जोड़ आदि वृद्धि पायी जाती है । बाइबल, कुराण, महाभारत, रामायण आदि सब मिलावट के स्पष्ट उदाहरण हैं ।

वेदज्ञान-विकास व इसका प्रचार- प्रथम वेद का ज्ञान आर्यावर्त के तिब्बत स्थान में चार पवित्र आत्माओं अग्नि, वायु, आदित्य और अँगिरा ऋषि के पवित्र हृदय में परमेश्वर द्वारा प्रकाशित हुआ माना जाता है । वहीं से लोग जहाँ-जहाँ गये, वहाँ के लोग विद्वान् होते गये । पूर्व मिश्र, यूनान और यूरोप के लोग तो विद्याहीन ही थे । कहा जाता है कि अमेरिका में भी ईंग्लैंड से जब कुलुम्बस आदि विद्वान् गये तो उनसे वहाँ के लोगों ने विद्या सीखी, वरणा तब तक तो वहाँ के लोग विद्याविहीन ही थे । ईंग्लैंड में भी आर्यावर्तीय लोगों के आने पर ही विद्या का प्रचार हुआ ।

किंवदन्ती है कि अँगिरा ऋषि की संतानें ईंग्लैंड आदि के देशों में आकर वस गये थे । इस प्रकार पुराना इतिहास देखने पर पता चलता है कि वेद ज्ञान ही सबसे पुराना है; सब भाषाओं का मूल है जिसे विना पढ़े कोई विद्वान् नहीं बना । हाँ, आज तो अन्य भाषाओं के भी जो विद्वान् पाये जाते हैं उनका मूल ज्ञान भी तो वेदों में प्राप्त है जो हजारों, लाखों, करोड़ों वर्ष पहले लोगों को आर्यावर्तीय विद्वानों से मिला था । वेद को कोई बदल नहीं सकता; न हि बदल सका अत एव वेद ही ईश्वर द्वारा दिया गया ज्ञान है । इस कारण ही महर्षि पतँजलि ने ईश्वर को ही सबसे पुराना गुरु उद्घोषित किया-“ स पूर्वेषामपि गुरुः कालेनानवक्षेदात् ।-योग सूत्र-समाधि पाद्- २६ अर्थात् वह परमात्मा ही सबका अनादि गुरु है जो काल

से भी अबाधित है; जिसने सृष्टि बनायी है, जो इसे चला रहा है और जो ही समय आने पर इसका संहार भी करता है । अतः सदा सर्वदा हमें उसी की उपासना करनी चाहिये ।

## वेद और परमेश्वर-सम्बन्ध-विषय

अभी हम वेद, वेद-ज्ञान और परमेश्वर के सम्बन्धों के बारे में जानने का यत्न कर रहे हैं । यह निश्चित है कि चारो वेद संस्कृत भाषा में ही प्रकाशित हुये । अग्नि, वायु, आदित्य और अँगिरा ऋषि को भी संस्कृत भाषा, वेद-भाषा व वेदार्थ बोधन सब ज्ञान परमेश्वर द्वारा ही प्राप्त हुआ । प्रारम्भ में जब ये चार ऋषि ध्यानावस्थित होकर समाधिस्थ हुये तब ईश्वर के स्वरूप में अवस्थित होने से

परमेश्वर ने कृपा कर अभीष्ट मंत्रों की भाषा व उनका अर्थ भी उनके ज्ञान में भर दिया । पश्चात् इन चार ऋषियों ने अन्यों को वेदार्थ प्रकाश कराया और इस प्रकार आगे से आगे वेद ज्ञान बढ़ने लगा । वेदार्थ को सरल रूप से समझने के लिये ही बाद के ऋषि-मुनियों ने वेद-विषयों को समझाने के क्रम में ब्राह्मण, उपनिषद्, दर्शन, व्याकरण, स्मृति आदि ग्रन्थ बनाये । इन ग्रन्थों में इतिहास भी प्राप्त है क्योंकि ये ग्रन्थ मनुष्यकृत हैं पर वेद में इतिहास नहीं है क्योंकि वेद ईश्वर कृत हैं । मनुष्यकृत ग्रन्थों में समय-समय की घटनाओं की चर्चा होती है; राजाओं, दुर्गों, स्थानों -विशेष की चर्चायें होती हैं पर वेदों में ऐसा नहीं है । इससे यह स्पष्ट है कि ब्राह्मण आदि ग्रन्थ को वेद नहीं कहेंगे वल्कि वेदों की व्याख्यान ग्रन्थ कहेंगे । थोड़ा इसे समझें-

“ऋषयो मन्त्रदृष्टयः मन्त्रान्सम्प्रादुः”- इसका भाव यह है कि जिस-जिस मन्त्रार्थ का दर्शन जिस-जिस ऋषि को सबसे पहले हुआ अर्थात् इससे पहले

पूर्व के चार ऋषियों के अलावे किसी और को नहीं हुआ, तब उस-उस मन्त्र का वह ऋषि बना। उस मन्त्र का अर्थ प्रकाशक के रूप में इतिहास के तौर पर उसका नाम सम्बन्धित वेद मन्त्र के साथ जोड़ दिया गया। इसी कारण सभी वेद-मंत्रों के ऋषि-नाम भी लिखे मिलते हैं। अर्थ-प्रकाशक “ऋषि” और मंत्र-विषय “देवता” के नाम से जाना जाता है। इस प्रकार हर मन्त्र का ऋषि और देवता अर्थात् उसका विषय पूर्व से ही निर्धारित हैं। इससे यह स्पष्ट हो गया कि पूर्व के चार ऋषियों को तो अलग-अलग एक-एक वेद का ज्ञान प्राप्त हुआ पर अन्य हजारों ऋषियों को भी एक-एक मन्त्र का अर्थ-वोधन भी उनके प्रयास और ईश्वर की कृपा से हुआ। जिस-जिस ने समाधिस्थ भाव में आकर पूर्व उपलब्ध मन्त्र का अर्थ-चिन्तन किया, ईश्वर की कृपा से उस-उस के हृदय में तद् मन्त्र का अर्थ प्रकाशित हुआ। इस तरह से उस-उस मन्त्र के साथ सम्बन्धित ऋषि का नाम जुड़ गया। इसे हम इतिहास कहेंगे। आगे से आगे भी ऋषि-मुनि, आचार्यों द्वारा किये गये हर प्रयास का इतिहास व्याख्यान-ग्रन्थों के रूप में बनता गया पर मूल वेदों में सृष्टि, इसकी उत्पत्ति, आत्मा, परमात्मा, जीवन-सिद्धान्त, मानव-मूल्य इत्यादि के अलावे कोई इतिहास नहीं है। हाँ, स्वयं वेद-ज्ञान का प्रकाश जो सृष्टि के प्रारम्भ में मानव कल्याण के लिये उपरोक्त चार ऋषियों के पवित्र हृदय में ईश्वर के द्वारा किया गया, वस, यही वेद का काल-वोध इतिहास है, अन्य नहीं।

## **D.A.V. (Dayanand Anglo Vedic) Primary Free School In Birmingham**

The 8th Principle of Arya Samaj states “We should all promote knowledge and dispel ignorance.” Arya Samaji people, wherever they are, have been actively promoting education in the world.

The members of the Board of Trustees have been working hard to open a D.A.V. school in Birmingham for 4 to 11 years age children in Handsworth area of Birmingham.

**The Vision of D.A.V. School –**

- 1. We want parents to be able to send their children for high quality education at our school called D.A.V. (Dayanand Anglo Vedic) Primary Free School based in Handsworth area of Birmingham.**
- 2. Our school will follow the National Curriculum and prepare children for 11plus entrance examinations into good secondary schools.**
- 3. Our school will accept children from the age of 4 years in Reception class and will be building up from Reception in future. There will be 2 forms of entry and maximum no. of children in each form will be between 20 to 24 students.**
- 4. We want children attending our school to learn about British values. There will be an extra emphasis on teaching about Hindu (Vedic) way of life i.e. respect for teachers, parents and elders in the society, to speak truth and be honest and polite and tolerance for other**

**members in the community and believe in God. Children will be taught about all prevailing religions in UK.**

- 5. In addition to academic curriculum our school will offer Yoga classes, sports, dance classes and foreign languages including Hindi and Sanskrit.**
- 6. Our school will be faith designated. We will be admitting up to 50% of pupils of Hindu faith and the rest will be open to pupils of all faiths and no faiths.**
- 7. Our school will aim for each child to reach his/her full potential and aspire for higher education.**

**It is our sincere request to parents with 1 to 3 years old children to get in touch with Arya Samaj West Midlands in order to fill in "School support survey" to show their support for our school. Your support for our school will be much appreciated.**

**We are looking for a Head or Deputy Head Teacher of a Primary School to join our team of members working for proposed D.A.V. Primary Free School. A recently retired Head Teacher will also be acceptable. We also need a Project Manager to join our team. Those of you who are interested please get in touch with us by telephoning Arya Samaj West Midlands no. 0121 3597727 or sending an email at [enquiries@arya-Samaj.org](mailto:enquiries@arya-Samaj.org)**

**Dr. Narendra Kumar  
Chairman  
The Board of Trustees  
Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands**



## **Update on D.A.V Primary Free School.**

Since April 2015, we have been holding regular meetings with the public in Handsworth and Smethwick area of Birmingham.

We have held our workshop in Shree Geeta Bhavan temple in months of April and May and Shree Durga Bhavan temple since June.

On 27th June 2015 there was an open day for parents at Shree Geeta Bhavan temple where more than 20 parents attended with their children.

On 5th July 2015 we had a stall at Victoria Park, Smethwick. It was very successful.


We will have a big stall at Victoria Park, Smethwick again on 25th & 26th July Asian Mela to communicate with the population.

Since March 2015 we have been talking about our School on Radio XL and on 1st July we had live discussion on Venus TV channel about D.A.V. Primary Free School.

So far we have collected more than 125 School Consultation Survey forms from parents who have given D.A.V. Primary Free School as their first choice for their children when school opens.

**Notices for Vedic Vivah Service (matrimonial)**

- Matrimonial service charge - £90 for 12 months
- **Vedic Vivah Mela (Matrimonial get together) Saturday 19<sup>th</sup> September 2015. Register NOW for a place! (See pages 19 & 20 for detailed information)**
- Please note that Arya Samaj Birmingham and Arya Samaj London are not linked. We both have our **OWN** Matrimonial list and all events are organized **separately**.
- Please note in every issue of Aryan Voice, if anyone that has a \* asterisk at the end of there Job, **ONLY** wants to marry in there own caste. Eg

**B4745 Hindu Brahmin Boy 26 5 ' 7" Chartered Accountancy\*** 

- All members' records have not been changed yet, as we are still waiting on caste forms, please keep checking this information every issue before you call.
- If you would like to add your caste to your record or state if you only want to marry in caste. Please e-mail or call us, so we can update your record.
- Everymonth in matrimonial list please check whole list, as members that have been deleted, may renew again months later and are being missed, as they take there place on the list depending on ref number order.
- Please inform us when your son or daughter is engaged or married, so we can remove their detail from the list.

# **VEDIC VIVAH MELA (Matrimonial Get Together)** **2015**

**Date:** Saturday 19th September 2015

**Venue:** Arya Samaj West Midlands, Erskine Street, Nechells,  
Birmingham B7 4SA (Road Map available on our Website)  
[www.arya-samaj.org](http://www.arya-samaj.org)

**Time:** 11.30am – 5pm

**Cost:** £25.00 per applicant. **NO GUESTS**

**Buffet:** Vegetarian meal included with soft drinks (no alcohol will be allowed or served)

## **How will it work?**

We will have registration, welcome drink, light snacks and mingling.

**Speed dating** - Members will meet each other for a period of 3 to 4 minutes, during which you will be able to chat and find out about each other. (If you like the person, make a note of their ref number on the packs given on the day and we will send you there information by email). When the time is up, a bell will sound; you will change partner and repeat the process.

Once the speed dating is over, late lunch will be served and everyone is free to mingle some more before the end of the event.

We will explain the above and other details of the event on the day.

## **What you need to do now?**

This Get-together is strictly for Arya samaj west Midlands registered matrimonial service candidates only. So if you are not registered as yet and wish to benefit from this event where you can meet personally a number of prospective partners hurry up and join. Forms are available on our website [www.arya-samaj.org](http://www.arya-samaj.org). Or tel. 0121 359 7727

This time we have decided to limit the number of participants, so please send your application forms well before the day of the event because it is first come first served basis. **(Form can be found on website or by calling the office)**. For the smooth running of the event, all the information must be processed and the paper work completed for the participants on their arrival. Applications received after 7th September 2015, would not be entertained. But please do not wait till the last date. It might be too late.

**Sorry at this event we are not allowing guest. If you bring someone with you on the day they will be refused entry.**

Please send application forms and cheques made payable to 'Arya Samaj West Midlands. **(Applicants £25)** with a self addressed stamped envelope to Arya Samaj West Midlands, Erskine Street, Nechells, Birmingham B7 4SA .You will be sent confirmation by post and email. You will have to bring this with you on the day or no entry will be allowed. Regrettably no entry will be available on the day, so please register in advance.. **If you come on the day without an entry confirmation it would be a wasted journey.**

So what are you waiting for? Look no further and think no further! Send in your application forms and cheque today!

**We look forward to welcoming you to the event where you have the prospect of meeting that special SOMEONE!!**

## **Dates for your diary**

### **In our Bhavan**

#### **1. Independence Day of India Celebrations**

**Sunday 16<sup>th</sup> August 2015**

**Chief Guest**

**Consulate General of India in Birmingham**

**Honourable Mr. Jitendra Kumar Sharma**

**11am Havan, 12pm to 1.30pm Celebrations and there  
after Rishi Langer.**

#### **2. Raksha bandhan**

**Saturday 29<sup>th</sup> August 2015**

#### **3. Ved Katha**

**Saturday 29<sup>th</sup> August to 5<sup>th</sup> September 2015 every evening at  
7.00pm to 9.00pm. At end of programme, every evening,  
there will be light refreshment together.**

#### **4. Krishna Janmaashthmee**

**Saturday 5<sup>th</sup> September 2015**

**To be celebrated on the last day of Ved Katha**

#### **5. Gayatri Maha Yajna**

**Sunday 6<sup>th</sup> September 2015**

## News

### Congratulation:

- Mr. Raj Joye and family for celebrating his 60<sup>th</sup> birth anniversary on 21<sup>st</sup> June 2015.
- Mr. Anand vrat Chandan & Mrs. Renuka Chandan for been blessed with grand child Aayush s/o Anukriti & Phillip and Maiya as well daughter of Anukriti & Phillip.
- Mr. B.B.S. Agarwal & Mrs. Minu Agarwal and their family for celebrating their 50<sup>th</sup> wedding anniversary.
- Mr. Amit and Mrs. Usha Swami and family - for been blessed with new baby son named Airic

### Donations to Arya Samaj West Midlands

- Mr. Vinod Gulati for Rishi Langar £125
- Mr. Raj Joye for Rishi Langar yajman on 21.06.2015 £510
- Mr. S.P. Gupta £10
- Mr. Harish Jain £21
- Mrs. Kiran Ratna £101
- Mr. & Mrs. Renuka Chanda £31
- Mr. Yash Pal Handa for wishing good health to Brij & Minu Agarwal £51
- Mrs. Asha Verma £5
- Mr. BB.S. Agarwal for Rishi Langar Yajman on 12.07.2015 £451

### Donations to Arya Samaj through Priest Services.

- Mr. Kiran Chawra £50
- Mr. Amit Swami £51

**Please contact Acharya Dr Umeh Yadav on  
0121 359 7727  
for more information on**

- **Member or non member wishing to be a Yajman in the Sunday congregation to celebrate an occasion or to remember a departed dear one.**
- **Have Havan, sankars, naming, munden, weddings and Ved Path etc performed at home.**
- **Our premises are licensed for the civil marriage ceremony.**
- **Please join in the Social group at Arya Samaj West Midlands every Wednesday from 11am. Emphasis is on keeping healthy and fit with yoga and Pranayam. Hot vegetarian Lunch is provided at 1pm.**
- **Ved Prachar by our learned Priest Dr Umesh Yadav on Radio XL 7 to 8 am, first Sunday of the month. Next 2nd August 2015 & 6th September 2015.**

**Every effort has been taken that information given is correct and complete. But if any mistake is spotted please inform the office.**

*0121 359 7727*

E-mail- [enquiries@arya-samaj.org](mailto:enquiries@arya-samaj.org)  
Website: [www.arya-samaj.org](http://www.arya-samaj.org)

## **IMPORTANT**

### **Notices to Arya Samaj West Midlands Members**

- Dear members, we are updating our email database for the membership of Arya Samaj West Midlands. We do not have email addresses of a large number of our members. In this time and age it is important to have this information. So if you have an email address please inform our office by emailing your address to [enquiries@arya-samaj.org](mailto:enquiries@arya-samaj.org). Your cooperation will be highly appreciated.
- 

### **Notices to Matrimonial Members**

- **NEW DATE** - Vedic Vivah Mela is on Saturday 19<sup>th</sup> September 2015 (Matrimonial Get Together). All information and forms can be found on our website - [www.arya-samaj.org](http://www.arya-samaj.org). Alternatively request an application form by ring 0121 359 7727 or emailing [enquiries@arya-samaj.org](mailto:enquiries@arya-samaj.org).

**Register NOW for a place!**